# अड़ीबाजों का संगठित गिरोह सक्रिय, आखिर कौन दे रहा संरक्षण?

**खास बातें**

- ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहर तक सक्रिय कथित गिरोह
- कर्मचारी और अधिकारी परेशान
- कार्रवाई न होने पर उठ रहे सवाल

**नवभारत न्यूज**

**गंजबासौदा 24 मई, नगर में लंबे समय से एक कथित संगठित अड़ीबाज गिरोह सक्रिय होने की चर्चाएं तेज हैं. बताया जा रहा है कि यह गिरोह सुबह से शाम तक ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहर तक सक्रिय रहता है और विभिन्न विभागों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखता है.**

चर्चाओं के अनुसार गिरोह के सदस्य दोपहिया और चारपहिया वाहनों से घूमते हुए विभिन्न शासकीय कार्यालयों, निर्माण कार्यों, आंगनवाड़ी केंद्रों और विद्यालयों तक पहुंचते हैं. जहां कहीं भी अनियमितता, भ्रष्टाचार अथवा कर्मचारियों की लापरवाही दिखाई देती है, वहां ग्रामीणों के हस्ताक्षर कराकर शिकायतें तैयार की जाती हैं.

### ठोस कार्रवाई क्यों नहीं?

सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर शिकायतें और चर्चाएं होने के बावजूद इन लोगों के खिलाफ ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हो पा रही है. आमजन के बीच यह धारणा बन रही है कि कहीं न कहीं इन्हें संरक्षण प्राप्त है, जिसके कारण संबंधित विभाग और अधिकारी भी सीधे टकराव से बचते नजर आते हैं.कुछ लोगों का यह भी कहना है कि जनप्रतिनिधि भी इस मामले में खुलकर सामने नहीं आते, जिससे ऐसे तत्वों का मनोबल बढ़ता जा रहा है.

स्थानीय लोगों का कहना है कि पटवारी से लेकर अन्य विभागों के कर्मचारी तक इस गिरोह के नाम से भयभीत रहते हैं. जैसे ही इनके किसी क्षेत्र में पहुंचने की सूचना मिलती है, कर्मचारियों के बीच यह चर्चा शुरू हो जाती है कि आज किसके खिलाफ शिकायत होने वाली है.

### शिकायतों को हथियार बनाकर दबाव बनाने के आरोप

नगर में यह भी चर्चा है कि गिरोह शिकायतों और अधिकारियों तक पहुंच का उपयोग दबाव बनाने के लिए करता है. आरोप लगाए जा रहे हैं कि कई बार छोटी-मोटी त्रुटियों को बड़ा मुद्दा बनाकर संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों पर मानसिक दबाव बनाया जाता है.लोगों का कहना है कि सरकारी तंत्र में कार्य करते समय छोटी गलतियां किसी से भी हो सकती हैं, लेकिन कुछ लोग इन्हीं परिस्थितियों का लाभ उठाकर अपने प्रभाव और तथाकथित अधिकारों का इस्तेमाल करते हैं.

### अल्लाह दे खाने को तो कौन जाए कमाने को कहावत हो रही चरितार्थ

नगर में चर्चाएं हैं कि यह कथित गिरोह बिना किसी स्थायी कार्य के भी आरामदायक जीवन व्यतीत कर रहा है. लोग तंज कसते हुए कहते हैं कि अल्लाह दे खाने को तो कौन जाए कमाने को वाली कहावत यहां चरितार्थ होती दिखाई दे रही है.हालांकि पूरे मामले में किसी भी पक्ष की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन नगर में यह मुद्दा चर्चा का विषय बना हुआ है.

# आधी रात पहाड़ी पर दिखा तेंदुआ, ग्रामीणों में दहशत का माहौल

- महल वाली मस्जिद के पास दिखा वन्यजीव
- तेंदूपत्ता सीजन के बीच जंगल जाने से डर रहे ग्रामीण

**नवभारत न्यूज**

**हैदरगढ़ 24 मई, कस्बे के हैदरगढ़ पहाड़ क्षेत्र में आधी रात तेंदुआ दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया है. जानकारी के अनुसार महल वाली मस्जिद के पास रविवार रात करीब 10 बजे से 12 बजे के बीच पहाड़ी पर तेंदुए की गतिविधि देखी गई, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई.**

ग्रामीणों का कहना है कि इन दिनों तेंदूपत्ता बीनने का सीजन शुरू हो चुका है और बड़ी संख्या में लोग सुबह एवं शाम जंगल की ओर जाते हैं. लेकिन तेंदुए की मौजूदगी की खबर के बाद अब लोग अकेले जंगल जाने से कतरा रहे हैं.

### भीषण गर्मी में आबादी की ओर बढ़ रहे वन्यजीव

स्थानीय लोगों और जानकारों का मानना है कि भीषण गर्मी के कारण जंगलों के जलस्रोत सूखने लगे हैं. ऐसे में भोजन और पानी की तलाश में तेंदुए जैसे शिकारी वन्यजीव पहाड़ियों से उतरकर आबादी वाले इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं. कई क्षेत्रों में पानी के स्रोतों के आसपास छोटे जानवरों की आवाजाही बढ़ने से तेंदुए भी वहां देखे जा रहे हैं.ग्रामीणों के अनुसार तेंदुए की सक्रियता से बच्चों और महिलाओं में भय का माहौल है. लोग रात के समय घरों से निकलने में भी डर महसूस कर रहे हैं.

इस संबंध में रेंजर मुस्कान शिवहरे ने बताया कि वन विभाग द्वारा क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जा रही है और आसपास के लोगों को सतर्क रहने की सूचना दी जा रही है. उन्होंने कहा कि लोगों से अपील की गई है कि रात के समय अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें, ताकि किसी प्रकार की जनहानि की स्थिति उत्पन्न न हो.

## सीएस ने वीसी के माध्यम से पीएचई विभाग के कार्यों की समीक्षा की

**नवभारत न्यूज**

**विदिशा,** मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्थाओं की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गहन समीक्षा की. बैठक में सभी निकायों को पेयजल को प्राथमिकता देते हेतु ग्रीष्म ऋतु में कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया है. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान प्रमुख सचिव श्री जैन ने प्रदेश के विभिन्न निकायों में संचालित पेयजल योजनाओं, जल आपूर्ति व्यवस्था तथा ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी द्वारा दिए गए निर्देशों का समय-सीमा में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा आमजन को योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर मिले.

# बिजली बंद होने से जलापूर्ति ठप्प, भीषण गर्मी में पानी के लिए परेशान हो रहे लोग

**33 केवी लाइन के मेंटेनेंस कार्य के चलते चार घंटे बंद रही बिजली**

**नवभारत न्यूज**

**सांची. भीषण गर्मी के बीच रविवार को 33 केवी विद्युत लाइन पर किए गए पूर्व निर्धारित मेंटेनेंस कार्य के कारण नगर सहित क्षेत्र में करीब चार घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही. बिजली बंद रहने से पेयजल आपूर्ति भी पूरी तरह प्रभावित हो गई, जिससे लोगों को पानी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा.**

जानकारी के अनुसार क्षेत्र में लगातार बढ़ते तापमान के बीच रविवार को पारा 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया. ऐसे समय में विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 33 केवी लाइन पर मेंटेनेंस कार्य किया गया, जिसके चलते क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बंद रही. बिजली गुल होने का सीधा असर नगर की जलापूर्ति व्यवस्था पर पड़ा और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा.

### पहले से बना हुआ है पेयजल संकट

उल्लेखनीय है कि नगर में पहले से ही पेयजल संकट बना हुआ है. स्थिति को देखते हुए स्थानीय प्रशासन द्वारा दो दिन में एक बार जलापूर्ति की व्यवस्था की गई है. ऐसे में जिस दिन लोगों को पानी मिलने की उम्मीद रहती है, उसी दिन बिजली मेंटेनेंस कार्य होने से जलापूर्ति बाधित हो गई.रविवार को भी लोग दिनभर पानी आने का इंतजार करते रहे, लेकिन देर शाम तक जलापूर्ति सुचारु नहीं हो सकी. इससे नागरिकों में नाराजगी देखी गई.स्थानीय लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी में पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा प्रभावित होने से आमजन को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है. लोगों ने मांग की है कि बिजली विभाग को मेंटेनेंस कार्य तय करने से पहले जलापूर्ति के समय का समन्वय करना चाहिए.

## ईद उल अजहा की नमाज का समय तय

**नवभारत न्यूज**

**गंजबासौदा,** ईद उल अजहा पर्व को लेकर शहर की जामा मस्जिद में जनाब आमिर साहिब की सदारत में बैठक आयोजित की गई. बैठक में ईद की नमाज के समय तय किए गए तथा पर्व को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से मनाने पर चर्चा की गई. बैठक में निर्णय लिया गया कि 28 मई 2026, बृहस्पतिवार को ईद उल अजहा मनाई जाएगी. ईदगाह पर सुबह 7 बजे, नूरानी मस्जिद में सुबह 7.30 बजे तथा मकबरे वाली मस्जिद में सुबह 7.45 बजे ईद उल अजहा की नमाज अदा की जाएगी.

# गुदावल पहुंचा कृषि रथ, 42 डिग्री गर्मी में पेड़ के नीचे लगी किसान चौपाल

**किसानों को मृदा परीक्षण, प्राकृतिक खेती और फसल विविधीकरण की दी जानकारी**

**नवभारत न्यूज**

**पठारी, कृषि रथ का संचालन रविवार को ग्राम गुदावल, शहरवासा एवं सुनेटी में किया गया. भीषण गर्मी और 42 डिग्री तापमान के बीच कृषि रथ से जुड़े अधिकारियों ने गांव में पेड़ के नीचे किसान चौपाल लगाकर किसानों को कृषि संबंधी जानकारी प्रदान की.**

कार्यक्रम की शुरुआत क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा किसानों को मृदा परीक्षण के महत्व की जानकारी देकर की गई. इस दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती अपनाने के लाभ भी बताए गए.कृषि रथ कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिकों ने किसानों को कृषि संबंधी नवीन तकनीकों की जानकारी दी. वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों को नरवाई प्रबंधन एवं फसल विविधीकरण के विषय में विस्तार से समझाया गया. किसानों को कम लागत में बेहतर उत्पादन और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के उपाय भी बताए गए.कार्यक्रम में उद्यानिकी विभाग से आए देवराज सिंह दांगी ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी.

# नया ट्रैक्टर लेकर उपज तुलाने पहुंचे किसान का वाहन नाली में गिरा

**नवभारत न्यूज**

**सांची. नगर के किसान अंकित मेहतो का नया ट्रैक्टर-ट्रॉली रायसेन क्षेत्र स्थित देवलखेड़ा वेयरहाउस परिसर में संदिग्ध परिस्थितियों में नाली में गिर गया, जिससे ट्रैक्टर को भारी नुकसान पहुंचा है. किसान ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली रायसेन में दर्ज कराते हुए घटना की जांच की मांग की है.**

जानकारी के अनुसार सांची निवासी किसान अंकित मेहतो अपनी गेहूं की उपज तुलवाने के लिए नया ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर देवलखेड़ा वेयरहाउस पहुंचे थे. उपज की तुलाई कराने के बाद वे पर्ची लेने वेयरहाउस कार्यालय चले गए. इसी दौरान ट्रैक्टर परिसर में खड़ा था और आसपास वेयरहाउस कर्मचारी सहित कई लोग मौजूद थे.

### लौटने पर नाली में मिला ट्रैक्टर-ट्रॉली

कुछ देर बाद लौटने पर किसान ने देखा कि ट्रैक्टर-ट्रॉली समीप स्थित नाली में गिरे हुए हैं. घटना में ट्रैक्टर का एक टायर फट गया, जबकि बैटरी, अगले पहिये का एक्सल और हैंडरोलिंग पंप सहित अन्य हिस्सों में भी नुकसान पहुंचा है. बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर हाल ही में खरीदा गया था.किसान अंकित मेहतो ने आशंका जताई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने ट्रैक्टर के साथ छेड़छाड़ कर उसे आगे बढ़ा दिया, जिससे यह हादसा हुआ. उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के समय वेयरहाउस के कुछ कर्मचारी शराब के नशे में थे.किसान के अनुसार यदि इस घटना की चपेट में कोई व्यक्ति आ जाता, तो गंभीर दुर्घटना हो सकती थी.

### करीब एक लाख के नुकसान का दावा

मामले में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर एनसीआर दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है. किसान ने बताया कि इस दुर्घटना में लगभग एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है. उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई है.वेयरहाउस परिसर में हुई इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी प्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया, तो भविष्य में किसानों के वाहनों से जुड़ी कोई बड़ी घटना भी हो सकती है.

## स्वर्गीय श्रीमती काशी बाई लोधी की पुण्य स्मृति में सेवा कार्य आयोजित

**नवभारत न्यूज**

**गंजबासौदा,** स्वर्गीय श्रीमती काशी बाई लोधी की पुण्य स्मृति में उनके पति एवं वरिष्ठ समाजसेवी सरदार सिंह सिसोदिया द्वारा शासकीय अस्पताल में सेवा कार्य आयोजित किए गए. इस दौरान अस्पताल के सभी वार्डों में मरीजों को फल, केले, आम एवं बिस्किट वितरित किए गए. साथ ही अस्पताल के बीएमओ डॉ. रविन्द्र चिढ़ार को पांच स्टूल भी भेंट किए गए. कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ समाजसेवी सुनील बाबू पिंगले, योगेश शाह, खूबसिंह लोधी, हुकम सिंह, निहाल सिंह पंथी, श्रीराम रेकवार, राकेश लोधी, सुजीत सेन सहित सभी परिजनों ने स्वर्गीय श्रीमती काशी बाई लोधी को पुष्पांजलि अर्पित की.

# एक ट्यूबवेल पर निर्भर है हजार आबादी वाला पूरा गांव

**जल जीवन मिशन अधूरा, कई गांवों में बूंद-बूंद पानी को तरस रहे ग्रामीण**

**नवभारत न्यूज**

**पठारी, केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर जल के तहत प्रत्येक घर तक पाइपलाइन के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंचाना है, लेकिन क्षेत्र के कई गांवों में यह योजना अधूरी पड़ी हुई है. ठेकेदारों की लापरवाही और धीमी कार्यप्रणाली के कारण ग्रामीणों को आज भी पानी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.जानकारी के अनुसार जल जीवन मिशन का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रतिदिन प्रति व्यक्ति 55 लीटर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है. साथ ही स्कूल, आंगनवाड़ी, ग्राम पंचायत भवन और स्वास्थ्य केंद्रों तक भी नल जल पहुंचाना योजना का हिस्सा है. इसके बावजूद कई गांवों में स्थिति बदतर बनी हुई है.**

### सूजा गांव में एक ट्यूबवेल बना सहारा

ग्राम पंचायत सूजा बरखेड़ा में जल जीवन मिशन का कार्य अधूरा पड़ा हुआ है. ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पेयजल संकट गहराता जा रहा है और लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं.ग्रामीण खिलान सिंह साहू ने बताया कि गांव में हैंडपंपों की जगह मोटरें डाली गई थीं, लेकिन जल स्तर नीचे चले जाने के कारण उनमें भी पर्याप्त पानी नहीं आ रहा.

वहीं ग्राम पंचायत वडोह में जल जीवन मिशन का कार्य अभी तक शुरू भी नहीं किया गया है. ग्रामीणों के अनुसार यहां पानी की समस्या अत्यधिक गंभीर है.ग्रामीणों ने बताया कि गांव पहाड़ी क्षेत्र में बसा हुआ है और जमीन के नीचे पत्थर की चट्टानें होने के कारण पानी के स्रोत बेहद कम हैं. जहां कहीं पानी मिलता भी है, वह केवल एक परिवार की जरूरत पूरी कर पाता है.

विकास पचौरी रेडियो
84 35 250 250
मोबाइल के प्ले स्टोर पर
Vikas Pachori Radio
टाइप करके इंस्टॉल कीजिए
और लगातार 24 घण्टे
आनंद लीजिए.

## 1100 दीपों की रोशनी में नहाया घाट, वैदिक मंत्रोच्चार और भजन-कीर्तन के बीच मां बेतवा का हुआ पूजन

**नवभारत न्यूज**

**गंजबासौदा,** गुरु पुष्य नक्षत्र के शुभ और पुण्यमयी अवसर पर गुरुवार शाम नौलखी आश्रम बेतवा तट पर श्रद्धा, आस्था और सनातन संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला. नौलखी खालसा के श्रीमहंत राममनोहर दास जी महाराज के सानिध्य एवं आचार्य पंडित संजय पाठक के मार्गदर्शन में मां बेतवा का विशेष पूजन-अर्चन कर उन्हें श्रद्धा की चुनरी अर्पित की गई. इस दौरान आटे सै बने 1100 दीपों के दीपदान से पूरा बेतवा तट दीपमालिका की तरह जगमगा उठा. बाद में आटे के दीपों को मछलियों के बीच भोजन के लिए पानी में बहा दिया गया.

गुरुवार को अधिक मास में गुरु पुख नक्षत्र का विशेष संयोग होने पर शाम ढलते ही श्रद्धालुओं का बेतवा घाट पर पहुंचना शुरू हो गया था.महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में पूजा की थालियां सजाकर मां बेतवा की आराधना की, वहीं युवाओं और बच्चों में भी विशेष उत्साह दिखाई दिया. घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और भक्ति गीतों के बीच धार्मिक अनुष्ठान प्रारंभ हुआ. पूजन के दौरान मां बेतवा का दुग्ध, पुष्प, अक्षत और दीपों से अभिषेक कर आरती उतारी गई.

इसके बाद श्रद्धाभाव के साथ मां बेतवा को चुनरी ओढ़ाई गई. जैसे ही चुनरी अर्पित की गई, पूरा तट हर-हर बेतवा मैया और जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा.श्रद्धालुओं ने मां बेतवा के समक्ष क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की.

## ई-फार्मेसी के विरोध में बंद रहे मेडिकल स्टोर्स

**मांगें नहीं मानी गईं तो एक सप्ताह तक मेडिकल बंद रखने की चेतावनी, प्रशासन को सौंपा ज्ञापन**

**नवभारत न्यूज**

**गंजबासौदा. ई-फार्मेसी के विरोध में गुरुवार को गंजबासौदा के सभी मेडिकल स्टोर्स बंद रहे. मेडिकल संचालकों एवं कर्मचारियों ने संगठन के अध्यक्ष अजय तिवारी के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक लगाने की मांग की.**

ज्ञापन में मेडिकल व्यवसायियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सुनवाई नहीं हुई, तो आगामी दिनों में एक सप्ताह तक मेडिकल स्टोर्स बंद रखने का निर्णय लिया जाएगा. उन्होंने कहा कि इस दौरान मरीजों को होने वाली परेशानी की जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग एवं शासन-प्रशासन की होगी.संगठन अध्यक्ष अजय तिवारी ने कहा कि दवाइयां कोई सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं हैं, जिन्हें कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन बेच सके. उन्होंने आरोप लगाया कि ई-फार्मेसी के माध्यम से ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट का खुला उल्लंघन किया जा रहा है, जो सीधे तौर पर जनस्वास्थ्य और मरीजों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकता है.उन्होंने कहा कि बिना चिकित्सकीय सलाह और उचित निगरानी के दवाओं की ऑनलाइन बिक्री गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है. मेडिकल संचालकों का कहना है कि स्थानीय मेडिकल व्यवसाय पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है.

### करीब 2 करोड़ का व्यापार प्रभावित

मेडिकल स्टोर्स बंद रहने के कारण नगर में दवा कारोबार प्रभावित रहा. व्यापारियों के अनुसार बंद के चलते लगभग 2 करोड़ रुपए का व्यापार प्रभावित हुआ. वहीं कई मरीजों और परिजनों को दवाइयां लेने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ा, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा.मेडिकल व्यवसायियों ने प्रशासन से मांग की है कि ई-फार्मेसी के मुद्दे पर शीघ्र उचित निर्णय लिया जाए, ताकि मरीजों की सुरक्षा के साथ स्थानीय मेडिकल व्यवसाय भी सुरक्षित रह सके.

**श्रमदान**

**श्रमदानियों ने नदी में उतरकर हटाई जलकुंभी और कचरा, साप्ताहिक श्रमदान अभियान 5 .0 का 33वां चरण संपन्न**

# भविष्य पुराण में वर्णित पावन बेतवा आज प्रदूषण के संकट से घिरी

**नवभारत न्यूज**

**गंजबासौदा. कभी ऋषियों की तपस्थली, सभ्यताओं की जीवनरेखा और धार्मिक आस्था का केंद्र रही बेतवा नदी आज मानव की लापरवाही और प्रदूषण के बोझ तले कराहती दिखाई दे रही है. जिस नदी का उल्लेख भविष्य पुराण जैसे प्राचीन ग्रंथों में श्रद्धा और पवित्रता के प्रतीक के रूप में मिलता है, वही बेतवा आज प्लास्टिक कचरे, जलकुंभी और अव्यवस्थित अपशिष्ट के कारण अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है.**

इसी चिंता और सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर साप्ताहिक श्रमदान अभियान 5.0 के अंतर्गत

33वें चरण का नदी जल स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया. अभियान के दौरान श्रमदानियों ने नदी में उतरकर दो घंटे तक लगातार सफाई कार्य किया. नदी की सतह पर तेजी से फैल चुकी जलकुंभी को बाहर निकाला गया, वहीं किनारों और तलहटी में जमा प्लास्टिक, कपड़े, पॉलीथिन, पूजन सामग्री और अन्य कचरे को भी एकत्रित कर हटाया गया.

पिछले कई वर्षों से श्रमदान दल द्वारा लगातार नदी स्वच्छता का कार्य किया जा रहा है. हर सप्ताह कई क्विंटल कचरा नदी से बाहर निकाला जाता है, लेकिन कुछ ही दिनों बाद स्थिति फिर पहले जैसी दिखाई देने लगती है.यह समस्या केवल प्रशासनिक व्यवस्था की कमी नहीं, बल्कि सामाजिक सोच की भी है. नदी किनारों पर खुलेआम कचरा फेंकना, प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग और पूजन सामग्री का अव्यवस्थित विसर्जन यह साबित करता है कि समाज अभी भी अपनी जिम्मेदारी को पूरी तरह समझ नहीं पाया है.श्रमदान कार्यक्रम के दौरान श्रमदानियों ने लोगों से अपील की कि वे नदी संरक्षण को केवल सरकार या सामाजिक संगठनों का कार्य न समझें. यदि आज भी समाज नहीं जागा, तो भविष्य में जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन भयावह रूप ले सकते हैं.उन्होंने कहा कि आज जरूरत केवल नदी की सफाई की नहीं, बल्कि समाज की सोच को साफ करने की है.

### नदी का प्राकृतिक प्रवाह हो रहा प्रभावित

सफाई के दौरान सामने आए दृश्य चिंताजनक रहे. कई स्थानों पर जलकुंभी के कारण नदी का प्राकृतिक प्रवाह बाधित दिखाई दिया. तलहटी में जमा गंदगी यह संकेत दे रही थी कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में नदी गंभीर संकट में पहुंच सकती है.विशेषज्ञों के अनुसार जलकुंभी पानी में ऑक्सीजन की मात्रा को कम कर देती है, जिससे जलीय जीवों का जीवन प्रभावित होता है. वहीं लगातार बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण जल को विषैला बनाकर मानव स्वास्थ्य के लिए भी खतरा पैदा कर रहा है.भारतीय संस्कृति में नदियों को मां का दर्जा दिया गया है. भविष्य पुराण में वर्णित बेतवा नदी को कभी पवित्र और जीवनदायिनी माना जाता था. यह नदी केवल जल का स्रोत नहीं रही, बल्कि सदियों तक क्षेत्र की संस्कृति, कृषि, आस्था और जीवन को पोषित करती रही है.